नगर विकास योजना का मूल्यांकन
श्रीनगर

जनवरी 2007

राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान

कोर 4 बी, भारत पर्यावास केन्द्र

लोदी रोड, नई दिल्ली 110003

किसी प्रकार की शंका होने पर कृपया सुश्री उषा रघुपति (email:uraghupathi@niua.org) एवं श्री संदीप ठाकुर (email:sthakur@niua.org) से ई मेल से सम्पर्क करें

नगर विकास योजना का मूल्यांकन : श्रीनगर

श्रीनगर की नगर विकास योजना (सीडीपी) नगर नियोजन संगठन, कश्मीर, द्वारा प्रस्तुत की गई है। सीडीपी दो खण्डों में है। खण्ड (क) में नगर के बारे में आकलन है, जो नगर की वर्त्तमान स्थिति का विश्लेषण पेश करता है ; जबकि खण्ड (ख) जवाहर लाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी कायाकल्प अभियान (जेएनएनयूआरएम) स्कीमों और परियोजनाओं का विज़न दस्तावेज़ है। इस सीडीपी में नगर की वर्त्तमान स्थिति के आकलन और विश्लेषण, भावी परिदृश्य और विज़न, तथा नगर निवेश योजना जैसे मुद्दों पर अच्छी रोशनी डाली गई है।

लेकिन सीडीपी के प्रथम प्रारूप, जिसका राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान ने मूल्यांकन किया था, में दो घटक नामतः हितबद्ध पक्षों से परामर्श की प्रक्रिया और ब्यौरे, तथा श्रीनगर में विभिन्न शहरी सेवाओं में जुटी हुइ एजेन्सियों के वित्तीय घटक गायब हैं। इस प्रारंभिक मूल्यांकन के अनुसरण में, संस्थान की एक टीम ने 24-27 जुलाई, 2006 के दौरान श्रीनगर का निरीक्षण किया था। इस निरीक्षण के दौरान, नगर नियोजन संगठन, श्रीनगर नगर निगम, श्रीनगर विकास प्राधिकरण, तथा राज्य सरकार के लोक स्वास्थ्य इंजीनियरी, शहरी पर्यावरण इंजीनियरी, सड़कें व भवन तथा आवास निर्माण जैसे विभिन्न विभागों के साथ क्रमशः विस्तृत चर्चा की गई। अनेक सुझाव दिए गए तथा नगर के पदाधिकारियों को संशोधित सीडीपी में निम्नलिखित ब्यौरे शामिल करने के लिए कहा गयाः

- हितबद्धपक्ष परामर्श प्रक्रिया
- स्लम वासियों को बुनियादी सेवाओं की प्राप्ति तथा शहरी गरीबों को इन सेवाओं की प्राप्ति
- 74वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992, की 12वीं अनुसूची में उल्लिखित कार्यों पर कार्रवाई के लिए संस्थाई ढांचा,
- श्रीनगर नगर निगम, विकास प्राधिकरण तथा लोक स्वास्थ्य इंजीनियरी विभाग के बारे में निजी राजस्व आय, सहायता अनुदान, राजस्व व्यय तथा पूंजीगत व्यय के विगत 5 वर्षों अर्थात् वर्ष 2000-01 से 2000-06 तक के वित्तीय ब्यौरे
- संबंधित एजेंसियों के सामने मौजूदा वित्तीय-बाधाओं का सेक्टर-वार उल्लेख
- शहरी आधार सुविधा तंत्र में लागत वसूली
- राज्य सरकार के अनुदानों तथा अन्य राशि अंतरणों पर निर्भरता कम करने के लिए श्रीनगर नगर निगम द्वारा संसाधन वृद्धि के लिए अपनाई गई कार्यनीतियां
- अपनी निजी कर-आय के पूर्वानुमान तथा गैर कर स्रोतों (यथा प्रयोक्ता प्रभार इत्यादि) से होने वाली आय के पूर्वानुमान हेतु मुख्य मान्यताओं के साथ विस्तृत वित्तीय परिचालन योजनाएं (एफओपी)
- अगले 7 वर्षों के लिए अनुमानित पूंजी निवेश योजना तथा प्रावस्था अनुसूची
- जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी कायाकल्प अभियान (नुर्म) की सप्तवर्षीय अवधि (2005-12) में शुरू की जाने वाली परियोजनाओं के प्राथमिकता-क्रम के साथ शहर के परिदृश्य और विज़न का विकास, जो हितबद्ध पक्षों/सभ्य समाज के साथ परामर्श से युक्त हो

प्रथम स्तर की टिप्पणियों पर शहर की प्रतिक्रिया

नगर विकास योजना (सीडीपी) की प्रारंभिक प्रस्तुति के आधार पर, उपर्युक्त टिप्पणीं शहर श्रीनगर को सूचित कर दी गई थीं। जैसाकि टिप्पणियों से ज़ाहिर है, सीडीपी में बड़े संशोधन आवश्यक थे। संशोधित सीडीपी दिसंबर, 2006 में रा.न.का.सं. को भेजी गई और इस संशोधित (द्वितीय) पाठ का संस्थान द्वारा पुनः मूल्यांकन किया गया।

राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान द्वारा पुनर्मूल्यांकन

संशोधित सीडीपी में उन अनेक टिप्पणियों को शामिल कर लिया गया है जो पहले की ड्राफ्ट सीडीपी पर की गई थीं। लेकिन 'शहरी गरीब' नामक खंड में वे सभी सूचनांए नहीं हैं, जो संस्थान द्वारा मांगी गई थीं। शहर के मौजूदा हालात को देखते हुए, नई प्रस्तुत सीडीपी में जो कुछ प्रस्तुत किया गया है, उसे हम स्वीकार करते हैं। लेकिन यह भी आशा की जाती है कि आने वाले एक वर्ष की अवधि में श्रीनगर अपने शहर के बारे में अधिक सूचना देगा।

उपर्युक्त वर्जनाओं (सावधानियों)/अर्हताओं के बावजूद अब यह नगर विकास योजना (सीडीपी) नुर्म टूलकिट नं. 2 के अनुसार है।